VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
J
P
30 AUG 2019
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1244)

Name of Candidate	Manoj Kumar		
Medium Eng./Hindi	Hindi	**Registration Number**	62755
Center	Jaipur	**Date**	30-8-19

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. Discuss the need of an Independent Fiscal Council (IFC) in bringing about transparency and accountability in fiscal processes in India. **(150 words) 10**

भारत में राजकोषीय प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही का समावेश करने हेतु एक स्वतंत्र राजकोषीय परिषद (IFC) की आवश्यकता की चर्चा कीजिए।

भारत मे बजटीय प्रक्रिया के लोकतांत्रिकरण, वित्त व्यवस्था की पारदर्शिता एवं उस पर अधिक प्रभावी संसदीय नियंत्रण हेतु स्वतंत्र राजकोषीय परिषद आवश्यक है।

स्वतंत्र राजकोषीय परिषद का महत्व

1) राजकोषीय उद्देश्यों की स्पष्टता
2) बजटीय आंकड़ो, पूर्वानुमानों की सटीकता एवं प्रभावी विश्लेषण
3) बजट इतर खर्च का नियंत्रण
4) FRBM राजकोषीय अनुशासन की प्राप्ति
5) बजट निर्माण मे तकनीकी सहायता

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6) राजकोषीय स्थिति का बेहतर आकलन

वस्तुतः राजकोषीय परिषद (संस्था) आकलन द्वारा अर्थव्यवस्था के आधार पर बजट हेतु महत्वपूर्ण इनपुट प्रदान करने के साथ-साथ ही बजट को आंकड़ों के स्तर पर अधिक सटीक बनाने में प्रभावी होगी जिससे लोक प्रशासन एवं बजट में हो पाएगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Recognizing the potential of exports in generating employment, a number of steps need to be taken to address India's weakening export competitiveness. Analyze. **(150 words) 10**

रोजगार सृजन हेतु निर्यात क्षेत्र की क्षमताओं की पहचान करते हुए, भारत की कमजोर होती निर्यात प्रतिस्पर्धा को संबोधित करने हेतु कई कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। विश्लेषण कीजिए।

रोजगार विहीन वृद्धि एवं बेरोजगारी के उच्चतम स्तर की समस्या का सामना करती भारतीय अर्थव्यवस्था हेतु आवश्यकता है ऐसी आर्थिक प्रणाली की जो निर्यात केन्द्रित हो एवं रोजगार (अधिक) सृजन की क्षमता रखती हो। उदा.

उदाहरण हेतु कपड़ा एवं चमड़ा क्षेत्र में निर्यात के साथ-साथ रोजगार गहनता का उच्च विस्तार है जिसका उपयोग किया जा सकता है।

निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के उपाय

- जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट की रणनीति द्वारा उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार
- उत्पादों की ब्रांडिंग की जाए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- 'सेतु' परियोजना द्वारा तकनीकी उन्नयन हो।

- PAT, RCEP इत्यादि संगठनों एवं संगठनों द्वारा भारतीय उत्पादों हेतु बाजार का निर्माण।

- कुशल श्रमिकों की आपूर्ति (कौशल भारत अभियान)

- निर्यात क्षेत्रों की स्थापना एवं कर लाभ प्रदान करना उदाहरण - निर्यात बंधु योजना, मर्चेन्ट एक्सपोर्ट इंडिया स्कीम।

- मिल की कमी को दूर किया जाए।

इन उपायों के माध्यम से भारत के निर्यात प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा है एवं वैश्विक निर्यात अंश भारत में औद्योगिक रोजगारों का सृजन करेगा जिससे मांग उत्पत्ति के क्रम में 5 ट्रिलियन $ अर्थव्यवस्था का लक्ष्य प्राप्त हो पाएगा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Highlighting the main features of National Mineral Policy, 2019, discuss how it can help in ensuring sustainable and responsible mining.

(150 words) 10

राष्ट्रीय खनिज नीति, 2019 की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए, चर्चा कीजिए कि यह संधारणीय और उत्तरदायित्वपूर्ण खनन सुनिश्चित करने में कैसे सहायता कर सकती है।

उपलब्ध संसाधनों एवं वांछित लक्ष्यों की प्राप्ति मे संतुलन स्थापित करने हेतु राष्ट्रीय खनिज नीति 2019 का निर्माण किया गया है।

NMP 2019 की विशेषता

1) खनियों के क्षेत्रों की जिओ टैगिंग करना। अवैध खनन की रोकथाम

2) खनिज क्षेत्रों की mis. gis प्रणाली के निर्माण हेतु सैटेलाइट, रिमोट सेंसिंग उपग्रह की सूचना का प्रयोग

3) संविदा आवंटन प्रणाली द्वारा खनियों का उपयोग करना एवं खनन को बढ़ावा देना

4) एकल कार्टेलिंग संघी व्यवस्था का निर्माण करना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5) खनन क्षेत्रों के आस-पास कृषि उत्पादकता को रोकना।

6) खनन की पर्यावरणीय लागत को आंकलित करना

7) खनन क्षेत्र विकसित करना एवं आवश्यकता आधारित विकल्प प्रदान करना

संधारणीय उत्पादकता हेतु खनन में सहायता

① अवैध खनन पर अंकुश लगाना

② खानों की जियो टैगिंग होने के कारण प्रभाव आकलन संभव

③ भूमि पुनरुद्धार का प्रावधान तथा खनन की उचित तकनीक का प्रयोग।

4) संवेदनशील क्षेत्रों में प्रतिबंध के कारण पारितंत्र की रक्षा

वस्तुतः खनन नीति पर्यावरणीय हितों को ध्यान में रखकर संधारणीय खनन पर बल देती है ताकि पर्यावरणीय क्षेत्र एवं आर्थिक आवश्यकता के मध्य संतुलन स्थापित हो

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. Highlighting the salient features of the PM JI-VAN Yojana, analyze how it can assist in achieving the vision and goals of the National Policy on Biofuels, 2018. (150 words) 10

"प्रधानमंत्री जी-वन योजना" की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए, विश्लेषण कीजिए कि यह जैव ईंधन राष्ट्रीय नीति, 2018 की दृष्टि और लक्ष्यों को प्राप्त करने में किस प्रकार सहायक हो सकती है।

भारत में ऊर्जा बास्केट के विविधीकरण एवं ऊर्जा उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य एवं स्वच्छ ऊर्जा विकास हेतु राष्ट्रीय जैव ईंधन राष्ट्रीय नीति 2018 को मंजूरी प्रदान की गयी है।

जैव ईंधन राष्ट्रीय नीति का बल सामग्री आपूर्ति एवं मांग के मुद्दे को हल करता है परन्तु जैव ईंधन उत्पादन एवं इनपुट सामग्री के स्तर पर प्रधानमंत्री जी-वन योजना महत्वपूर्ण है

प्रावधान

5 वर्षों में 1969 करोड़ रु का आवंटन

- कृषि अवशेषों का उपयोग जैव ऊर्जा निर्माण में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

फसल अवशेष का उपयोग ऊर्जा उत्पादन एवं इथेनॉल निर्माण में प्रथम चरण में 6 व्यापारिक प्लांट का निर्माण।

वस्तुतः यह जैव ईंधन ऊर्जा के स्रोतों को परम्परागत संसाधनों से बदलकर फसल अवशेष + फसल अपशिष्ट तक बढ़ाकर उद्योगीकृत रूप प्रदान करता है जिसका लाभ जैव ईंधन उत्पादन को प्राप्त होगा एवं कच्चे माल की सतत आपूर्ति प्रदान हो सकेगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Zero Budget Natural Farming (ZBNF) provides an alternative to capital and chemical intensive agriculture currently being practiced in India. Analyze. **(150 words) 10**

जीरो बजट प्राकृतिक कृषि (ZBNF), भारत में वर्तमान समय में प्रचलित पूंजी और रसायन गहन कृषि का एक विकल्प प्रदान करती है। विश्लेषण कीजिए।

महाराष्ट्र के सुभाष पालेकर महोदय ने जीरो बजट प्राकृतिक कृषि (ZBNF) शब्द को लोकप्रिय बनाया जिसने FAO एवं भारत की राष्ट्रीय चर्चा में भी स्थान प्राप्त हुआ।

ZBNF वर्तमान की पूंजी गहन कृषि के विपरीत घर पर बने उत्पादों का उपयोग कीटनाशक, उर्वरक के रूप में करती है

ZBNF के अन्तर्गत पंचगव्य की प्रक्रिया के माध्यम से जीवामृत, बीजामृत का निर्माण किया जाता है। जिसमें गोबर, गोमूत्र, गुड़, पपीते के बीज, ~~इत्यादि~~ केंचुए का उपयोग कर जैव उर्वरक

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

जीवामृत का निर्माण किया जाता है साथ ही कीटों की समस्या के निवारण हेतु एवं बीजों की शुद्धी हेतु बीजामृत घोल का निर्माण किया जाता है जिनमें बीज को डुबोया जाता है।

वस्तुतः यह घरेलू गाय एवं घरेलू उत्पाद पर आधारित कृषि प्रणाली है जिसमें कोई बाहरी निवेश एवं ऋण की आवश्यकता नहीं पड़ती है अतः यह लागत व पूंजी कृषि का विकल्प है।

किंतु व्यावहारिक अनुभव किसान के अनुसार यह महंगा है एवं देसी गायों की लागत अधिक होने के साथ ही ZBNF के उत्पादन में कमी है।

वस्तुतः इस सम्बंध में भावी शोध एवं व्यावहारिक तर्कों की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Marine life is facing 'irreparable damage' from the millions of tonnes of plastic waste which ends up in the oceans each year. In this context, examine the implications of plastic pollution on marine ecosystem and suggest some measures for addressing this problem. **(150 words) 10**

समुद्री जीवन, प्रति वर्ष समुद्र में पहुँचने वाले लाखों टन प्लास्टिक कचरे के कारण 'अपूरणीय क्षति' का सामना कर रहा है। इस संदर्भ में, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर प्लास्टिक प्रदूषण के प्रभाव का परीक्षण कीजिए और इस समस्या के समाधान हेतु कुछ उपाय सुझाइये।

उपभोक्तावादी संस्कृति एवं पुनर्चक्रण के अभाव के साथ-साथ ही कुशल निपटान व्यवस्था के अभाव ने महासागरों को प्लास्टिक का डंपिंग ग्राउंड बना दिया है। ग्रेट पैसेफिक गार्बेज पैच इसका उदाहरण है जो कि समुद्रिक पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित कर रहा है-

1) सागरीय जीवों में पोषण-आवर्धन की समस्या को जन्म देना एवं जैव विविधता की हानि

2) सागरीय-तट तंत्रों का विनाश एवं व्यापक जीव स्थानान्तरण

3) सागरीय दुर्गन्ध एवं व्यापारिक क्रिया को प्रोत्साहन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4) भारतीय प्रकाश पर इसका प्रभाव
सामुद्रिक उत्पादन पर प्रभाव डालता

समाधान के उपाय

beat the plastic pollution जैसे व्यापक जागरूकता अभियान की शुरूआत की जाए।

मारपोल अभिसमय में प्लास्टिक प्रदूषण को शामिल किया जाए।

पुनर्चक्रण-अर्थव्यवस्था का निर्माण किया जाए

प्लास्टिक के विकल्पों (जलोली) (बांग्लादेश) जूट का प्रयोग

अन्तर्राष्ट्रीय अभिसमय, निगरानी प्रणाली उत्कृष्ट अपशिष्ट प्रबंधन तकनीक का निर्माण।

वस्तुतः इनके माध्यम से SDG-13 के लक्ष्य को प्राप्त कर हम अपने भारतीय पर्यावरण की रक्षा एवं संवर्द्धन में सफल हो पाएंगे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Write a short note on the evolution of Bharat Stage norms in India. Also discuss the significance and challenges posed by the planned introduction of BS-VI norms in India from the year 2020. **(150 words) 10**

भारत में भारत स्टेज मानकों के विकास पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। साथ ही, वर्ष 2020 से भारत में BS-VI मानकों को योजनाबद्ध रूप से लागू किए जाने के महत्व और उसमें आने वाली चुनौतियों की भी चर्चा कीजिए।

भारत में परिवहन क्षेत्र से उत्सर्जित नियंत्रण एवं स्वच्छ पर्यावरण के विकास के उद्देश्य से इन मानकों के आधार पर उन्हें मानक भारत स्टेज BS मानकों को विकसित किया गया है।

BS मानक वाहनों द्वारा उत्सर्जित हुये में PM पदार्थ, कार्बन कण, नाइट्रोजन उत्सर्जन की मात्रा पदार्थ सीमा को निर्धारित करते हैं। भारत में BS-IV को छोड़ते हुए सीधे B.S VI मानकों को अपनाया जा रहा है।

BS VI मानक का महत्व

1) सल्फर के उत्सर्जन में 60% की कमी
2) पार्टिकुलेट मैटर के उत्सर्जन में कमी
3) नाइट्रोजन उत्सर्जनों की न्यून मात्रा
4) यह पर्यावरणीय उत्सर्जन को कम कर ग्रीनहाउस उत्सर्जन, अम्लीय वर्षा, धूम कोहरा इत्यादि परिघटना को कम करेंगे।

चुनौतियाँ

1) ऑटो सेक्टर की चुनौती एवं तकनीकी उन्नयन में निवेश के चलते वित्तीय एवं तकनीकी बोझ
2) रिफाइनरी उद्योग द्वारा तकनीकी उन्नयन करना
3) इन्वेंटरी का बाजार में विक्रय एवं मांग

वस्तुतः बाजार में मांग, कम्पनियों की तैयारी के आधार पर रणनीतिक रूप से BS-VI को लागू करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. What are black holes? Highlight the challenges in imaging a black hole? How were these challenges overcome by the Event Horizon Telescope project? (150 words) 10

ब्लैक होल क्या हैं? ब्लैक होल के चित्रण (इमेजिंग) में आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। इवेंट होराइज़न टेलीस्कोप प्रोजेक्ट द्वारा इन चुनौतियों को कैसे दूर किया गया?

ब्लैक होल ऐसे तारे होते है जिनमें (जिनमें) अत्यधिक गुरुत्व शक्ति पायी जाती है एवं यह अपनी ओर आने वाली सभी किरणों को अवशोषित कर लेते है फलत: परावर्तन, विकरण के अभाव में यह अंधेर काले रंग के पाये जाते है अत: इन्हे ब्लैक होल कहा जाता है जो सभी को अपनी ओर गुरुत्व शक्ति से खींच लेता है।

चित्रण में चुनौती

चित्र प्राप्ति हेतु रिफलेक्शन आवश्यक जबकि ब्लैक होल सभी किरणों को अवशोषित कर लेता है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकिरण प्राप्त न होने के कारण छवि निर्मित हुई है।

हाल ही में इवेंट होराइजन टेलीस्कोप ने कई दूरबीनों की शृंखला के द्वारा ब्लैक होल के आस-पास के क्षेत्र की इमेज प्राप्त की। जिन्हें जोड़ कर मध्य का क्षेत्र ब्लैक होल के रूप में चित्रित किया गया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. While mentioning the objectives of the Arms Trade Treaty (ATT), discuss the challenges which are hindering the utilization of the ATT to its full potential. **(150 words) 10**

शस्त्र व्यापार संधि (ATT) के उद्देश्यों का उल्लेख करते हुए, उन चुनौतियों की चर्चा कीजिए जो ATT को इसकी पूर्ण क्षमता से उपयोगित किये जाने में बाधक हैं।

शस्त्र व्यापार संधि का उद्देश्य हथियारों की होड़ को सीमित कर एवं शान्ति एवं सहयोगपूर्ण सम्बंधों को आगे बढ़ाना है यह निश्चित प्रकार के शस्त्रों के व्यापारिक उपयोग हेतु शर्तों का निर्धारित करता है।

ATT के पूर्ण क्षमता उपयोग न होने के कारण –

- देशों के परस्पर अविश्वास का पाया जाना।
- गुप्त हस्तांतरण एवं हथियारों की कालाबाजारी।
- एकतरफा बाध्यता एवं पुनः ~~अ~~ अनुमोदन न करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

व्यापार के नवीन तकनीकों का आना एवं पुरातन तकनीकों की अप्रासंगिकता

वस्तुतः इन कारणों के चलते ATT का ही जनता से उपयोग नहीं हो पाया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Threats to internal security of India may be posed both through the communication networks and also to the networks. Discuss. Also, highlight the steps taken by the government in making the networks more secure.
(150 words) 10

भारत की आंतरिक सुरक्षा को खतरा संचार नेटवर्कों के माध्यम से एवं स्वयं संचार नेटवर्कों को खतरा होने, दोनों ही प्रकार से हो सकता है। चर्चा कीजिए। साथ ही, नेटवर्कों को अधिक सुरक्षित बनाने हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डालिए।

आन्तरिक सुरक्षा को खतरा व्यवस्था को बाधित करने में संचार नेटवर्क दो प्रकार से संभावित है।

प्रथम संचार प्रणाली को ध्वस्त करना उदाहरण टेली कम्युनिकेशन, उपग्रह प्रणाली अर्थात आवश्यक रचना प्रणाली को खतरा पहुंचाना जिससे देश को भारी आर्थिक हानि एवं व्यापक वित्तीय धन सुविधा का निर्माण करना है। उदाहरण हेतु अमेरिका का स्टक्सनेट द्वारा ईरानी परमाणु संयंत्रों को निष्क्रिय करना

द्वितीय संचार नेटवर्क के माध्यम द्वारा आतंकी गतिविधि संगठित अपराध को अंजाम देना उदा. फिशिंग; हैकिंग

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

रैनसमवेयर, आतंकी संचार एवं सूचना डेटा चोरी इत्यादि

नेटवर्क को दुरुस्त करने हेतु किए गए उपाय

संगठन → सर्ट-इन की स्थापना, I4C भारतीय साइबर क्राइम कोर्डिनेशन सेन्टर की स्थापना, सर्ट-फिन.

तकनीक - एयर गैपिंग, बिग-डेटा एनालिटिक्स क्लाउड कम्प्यूटिंग का उपयोग

भावी रणनीति - क्वांटम इनक्रिप्शन पर शोध कार्य

इन उपायों द्वारा भारत की संचार प्रणाली को हमलों से सुरक्षित करने में मदद मिलेगी एवं आन्तरिक सुरक्षा दृढ़ होगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. **Highlight the importance and challenges related to integration of Variable Renewable Energy (VRE) in India. Mention some steps that can be taken for its smooth integration with the synchronized Indian grid. (250 words) 15**

भारत में परिवर्तनीय नवीकरणीय ऊर्जा (VRE) के एकीकरण के महत्व और इससे संबंधित चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। ऐसे कुछ कदमों का उल्लेख कीजिए जो समक्रमिक (सिंक्रनाइज्ड) भारतीय ग्रिड के साथ इसके सहज एकीकरण के लिए उठाए जा सकते हैं।

भारत की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं एवं किसी ऊर्जा संकट के सामना करने हेतु ऊर्जा संसाधन बास्केट का विविधिकरण करने एवं पर्यावरण मैत्री ऊर्जा विकास में नवीकरणीय ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका है।

भारत सरकार ने 2022 तक 175 गीगा वाट (100 सौर ऊर्जा 60 GW पवन ऊर्जा 15 GW अन्य) नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य रखा है किन्तु भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा यथा: पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, बायो-मास ऊर्जा की एक महत्वपूर्ण विशेषता इसकी कालिक परिवर्तनशीलता है अर्थात् इनकी आपूर्ति सतत रूप से नहीं बनी रहती है फलत: इनकी विश्वसनीयता हेतु इनका समेकन कर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कर इसकी 24×7 आपूर्ति निश्चित की जाती है।

एकीकरण का महत्व

- नवीकरणीय ऊर्जा की विश्वसनीयता एवं 24×7 उपलब्धता
- एकीकरण के लाभ द्वारा लागत में प्रभावी कमी एवं नवीन पारेषण अवसंरचना आवश्यक नहीं
- आर्थिक रूप से अधिक व्यवहार्य बनाता है।
- प्रति इकाई उत्पादन पर भूमि की कम आवश्यकता।

चुनौतियाँ

· क्षेत्र विशिष्ट पर नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता भिन्न-भिन्न है अर्थात पवन ऊर्जा का विकल्प तटीय क्षेत्रों में ही अधिक व्यवहार्य अतः भौगोलिक चुनौती

· एकीकरण अवसंरचना इन्टीग्रेटेड ग्रिड का निर्माण

- ऊर्जा भण्डारण हेतु बैटरी सम्बंधी आवश्यकता की पर्याप्त आपूर्ति नहीं है।
- नवीकरणीय ऊर्जा की विस्थापन (लोग) लागत काफी है साथ ही जन-स्वीकार्यता न्यून

कदम जो सम्प्रभुक भारतीय ग्रिड के साथ सहज एकीकरण में सहायक -

- हाइब्रिड सोर-विंड एनर्जी सिस्टम की स्थापना (सूर्य + पवन ऊर्जा)
- सरल पहल द्वारा रूफ टॉप सोलर ऊर्जा द्वारा उत्पादन वृद्धि एवं नेट मीटरींग
- बैटरी अवसंरचना का विकास एवं आवश्यकता पड़ने पर विकल्प का प्रयोग
- पारेषण हानि को न्यूनतम करने हेतु बेहतर केवल का प्रयोग

इस प्रकार भारत ऊर्जा उत्पादन एवं स्वच्छ ऊर्जा विकास के माध्यम के द्वारा अपने आर्थिक विकास के ईंजन का पर्याप्त ईंधन दे पाएगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. There have been arguments that India could fall into a 'middle income trap'. Explaining the phenomenon, highlight the reasons behind such arguments. How can India avoid it? **(250 words) 15**

ऐसे तर्क दिए गए हैं कि भारत 'मध्यम आय पाश' में फंस सकता है। इस परिघटना की व्याख्या करते हुए, ऐसे तर्कों के लिए उत्तरदायी कारणों पर प्रकाश डालिए। भारत इससे किस प्रकार बच सकता है?

'मध्यम आय पाश' ऐसी आर्थिक परिघटना है जिसमें किसी अर्थव्यवस्था के सेवितों की क्रय क्षमता में कोई मूलभूत परिवर्तन नहीं आता है एवं जनसंख्या के बड़े वर्ग का अंश की आय स्थिर हो जाती है। राष्ट्रीय आय में वृद्धि उच्च वर्ग की आय में वृद्धि का परिणाम होता है।

भारत में 'मध्यम आय पाश' के कारण

1) विकास का समावेशी प्रकृति का न होना
ऑक्सफेम का प्रतिवेदन "इकोनॉमी आफ 1%" बताता है कि ~~किसी~~ किस प्रकार विकास का लाभ उच्च वर्ग तक सीमित रहा है।

2.) रोजगार विहीन संवृद्धि का पाया जाना - विकास की लगभग 7.5% की ~~दशकों~~ सतत वृद्धि के बावजूद अनुपात में रोजगार उत्पन्न नहीं हुई है एवं बेरोजगारी 45 वर्षों के उच्चतम शिखर पर पहुंच गयी है।

3. मानव विकास का मध्यम स्तर - लगातार भारत की HDI रैंक 125+ बनी हुई है जो जीवन स्तर सम्बंधी मंथर परिवर्तन को इंगित करता है।

4. भारत की प्रति व्यक्ति आय में सुधार नहीं आया है एवं मध्यम विकास वाले देशों की श्रेणी में शामिल है जो 'मध्यम आय पाश' का अंतीय परिणाम है।

'मध्यम आय पाश' से कैसे बचा जायें?

1. Sdg-10 लक्ष्य को प्राप्त करने के क्रम में समावेशी विकास एवं वितरण में समानता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लाने के उपाय किए जाए।

2. मानव पूँजी निर्माण में निवेश तथा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अवसंरचना पर व्यय

3. रोजगार तथा औद्योगिक आर्थिक विकास

4. कुशल मानव श्रम ~~का~~ बल का विकास

5. आय उत्पादक गतिविधियों, उद्यमिता का विकास।

6. 5 ट्रिलियन $ अर्थव्यवस्था का निर्माण

वस्तुतः इन उपायों द्वारा भारत 'मध्यम आय जाल' से बचकर सतत विकास को प्राप्त कर सकता है जिससे भारत के 'आर्थिक-मानव-विकास' के लक्ष्य पूर्ण हो पाऐंगे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. **Highlighting its importance, discuss the major issues that plague effective monetary policy transmission in India. Also, mention the steps taken by RBI to improve it. (250 words) 15**

भारत में मौद्रिक नीति संचरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उन प्रमुख मुद्दों पर चर्चा कीजिए जो इसकी प्रभाविता को बाधित करते हैं। साथ ही, इसमें सुधार के लिए RBI द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख कीजिए।

मौद्रिक नीति का निर्धारण केन्द्रीय बैंक द्वारा किया जाता है भारत में RBI द्वारा मौद्रिक नीति का प्राथमिक लक्ष्य (मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण (4) ±2 है जबकि द्वितीयक लक्ष्यों में देश का आर्थिक विकास एवं ₹ के मूल्य की स्थिरता है।

मौद्रिक नीति के संचरण का महत्व -:

1) अर्थव्यवस्था का दिशा प्रदान करता है एवं मुद्रा की आपूर्ति में परिवर्तन कर मुद्रास्फीति एवं मंदी की समस्या का निदान प्रदान करता है।

2) बाजार में साख आपूर्ति (मात्रा एवं दिशा) (PSL) के माध्यम से अर्थव्यवस्था को नियंत्रित

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

करता है

3) यह मात्रात्मक नियंत्रकों द्वारा बैंकों के क्रेडिट व्यवहार को प्रभावित करता है

प्रभाविता को बाधित करने वाले कारक -

1) भारत में बॉण्ड मार्केट का विकसित न होना।

2) बड़ी मात्रा में गैर-संस्थागत ऋण की बाजार में उपलब्धता।

3) गोल्ड लोन द्वारा इसे विकृत करना।

4) एक्सट्रा-कॉमर्शियल बोरोइंग के कारण कम प्रभावित।

5) बैंको द्वारा परिवर्तन को आगे न बढ़ाना एवं 'क्रेडिट ~~बैंकिंग~~ बिहेवियर इनर्शीय'

6) RBI का मुख्य फोकस अब मुद्रास्फीति नियंत्रण अत: बाजार के आर्थिक विकास का लक्ष्य दोयम दर्जे का हो गया है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

सुधार हेतु RBI द्वारा उठाए गए कदम

1) भारत में बैंक दर को अब (MCLR) मार्जिनल कॉस्ट ऑफ लेंडिंग रेट से जोड़ना

2) रिवर्स रेपो रेट (RRR) एवं रेपो रेट (RR) के मध्य 100 बेसिस पाइन्ट की परम्परा को तोड़ना

3) बेहतर सामंजस्य हेतु .25, .50, .75, .100 की कमी / वृद्धि की बजाय आवश्यकता अनुकूल, .37 की कमी करना ((RR) के सम्बन्ध में)

4) राष्ट्रीय बचत जमा योजना का नियंत्रण जो अधिक ब्याज प्रदान करती है

वस्तुतः इन उपायों द्वारा RBI की मौद्रिक नीति का प्रभाव बढ़ेगा एवं बैंक बाजार को बेहतर ढंग से निर्देशित कर आर्थिक विकास को लक्षित किया जा सकेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Highlight the constraints faced by rainfed agriculture in India. Discuss some agronomic practices that can be adopted for stabilizing agricultural production in rainfed areas. **(250 words) 15**

भारत में वर्षा सिंचित कृषि में आने वाली बाधाओं पर प्रकाश डालिए। वर्षा सिंचित क्षेत्रों में कृषि उत्पादन को स्थायित्व प्रदान करने हेतु अपनाई जा सकने वाली कुछ कृषि-वैज्ञानिक पद्धतियों की चर्चा कीजिए।

भारत में 60% कृषि क्षेत्र वर्षा पर आधारित है एवं औसतन इसी वर्षा सिंचित क्षेत्र में भारत की 100 cm कम वर्षा वाली भूमि पायी जाती है।

वर्षा सिंचित क्षेत्रों की बाधाएँ -

1. भारतीय कृषि मानसून का जुआ है एवं वर्षा की परिवर्तनशीलता के कारण बाढ़ एवं सूखे की समस्या बनी रहती है।

2. वर्षा सिंचित क्षेत्र (R.A) में कम एवं अधिक वर्षा के क्रमिक दौर के कारण मृदा कटाव एवं मृदा के लवणीकरण की समस्या।

3. एकल रूप से उत्पादन में कमी क्योंकि जोखिम अधिक होने के कारण निवेश कम

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. फसल बर्बाद होना एवं सिंचाई उपलब्ध न हो पाना

5. जलाभाव के कारण कृषि सहायक क्रिया का सीमित विकास होना

कृषि उत्पादन को स्थायित्व प्रदान करने हेतु कृषि वैज्ञानिक पद्धति

1) SWARA (स्वरा) तेलांगना इस तकनीक मे घडो में पानी भरकर इसके माध्यम से छोटी छोटी पाइप से जोडकर घडों को मिट्टी मे दबा दिया जाता है। घडो के द्रारब द्वारा मृदा को नमी की प्राप्ति होती है।

2) राजस्थान का PLasticulture प्लास्टिकल्चर जिसके आर्द्रता हानि की रक्षा हेतु फसल को ढककर मृदा-आर्द्रता संरक्षण का

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कार्य किया जाता है।

3) शुष्क कृषि प्रणाली को अपनाकर
- शून्य जुताई प्रणाली
- सूर्योदय से पूर्व जुताई ताकि आर्द्रता की हानि न हो

4) इजरायली कृषि प्रणाली एयरोपोनिक्स एवं हाइड्रोपोनिक्स का प्रयोग

वस्तुतः भारत में कृषि को संधारणीय पेशा बनाने एवं 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने हेतु इन नवीन कृषि वैज्ञानिक तकनीकों का प्रयोग एवं भावी शोध आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. Despite the steps taken by the government in recent years, a number of problems continue to persist in the urea sector in India. Discuss. What reforms should be taken to address the persisting problems?

(250 words) 15

हाल के वर्षों में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बावजूद, भारत में यूरिया क्षेत्र में कई समस्याएं निरंतर बनी हुई हैं। चर्चा कीजिए। मौजूदा समस्याओं के समाधान हेतु क्या सुधार किए जाने चाहिए?

कृषि क्षेत्र में उर्वरकों का उपयोग फसल में उत्पादन वृद्धि हेतु पोषक तत्वों की आपूर्ति हेतु किया जाता है। यूरिया नाइट्रोजन की आपूर्ति करता है एवं इसके द्वारा पौधा तीव्र गति से वृद्धि कर पाता है।

वर्तमान में यूरिया के अविवेकशील उपयोग, तस्करी इत्यादि के समाधान हेतु भारत सरकार द्वारा नीम कोटेड यूरिया प्रत्यक्ष लाभ अंतरण इत्यादि कदम उठाए गए थे फिर भी देखा गया है कि-

1) भारतीय मृदा में N:P:K का संतुलन विकृत है एवं 'N' आधिक्य रूप से अधिक पाया जाता है जिससे मृदा प्रदूषण, नाइट्रोजन

प्रदूषण एवं जल इकाईयों में सुपोषण की समस्या उत्पन्न होती है।

2) आवश्यकता से अधिक खरीद उपरांत सीमावर्ती देशों में तस्करी की समस्या बनी हुई है।

3) यूरिया उर्वरकों की गुणवत्ता में गिरावट आयी है एवं स्वदेशी उत्पादन नहीं किया जा रहा है।

4) कैनालाइजेशन की व्यवस्था एवं उत्पादन में एकाधिकार के चलते अधिक मूल्य एवं निम्न गुणता।

5) यूरिया क्षेत्र में सहकारी समितियों का विकास मंद पड़ गया है एवं iffco जैसे सफल उदाहरण नहीं बन पा रहे हैं।

6) नीम लेपन का अभाव स्तर एवं नाइट्रोजन अवमुक्ति अधिक।

समाधान हेतु क्या किया जाना चाहिए

1) मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर कृषकों को आवश्यकता सम्बंधी जागरूकता उत्पन्न करना इसके लिए कृषि एक्सटेंशन सर्विस का विस्तार एवं ICT का प्रयोग

2) यूरिया उर्वरक की गुणवत्ता एवं रूप में सुधार हेतु उत्पादन का केन्द्रीकरण रोकना एवं बाजार को खोलना

3) नीम लेपन के स्तर में सुधार करना ।

4) आपूर्ति में योजना आधारित प्रत्यक्ष सब्सिडी लक्षित एवं प्रकाशन हेतु 'बायू' बायो-मैट्रिक आधार इनेबल्ड सिस्टम का प्रयोग

5) दलहनी फसलों का प्रयोग (MSP वृद्धि)

इन उपायों द्वारा भारत में यूरिया उर्वरक के उत्पादन, उपयोग एवं उपयोग उपरांत की समस्याओं का समाधान कर संधारणीय कृषि का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. What is Access and Benefit Sharing? Explain how it aids in sustainable use of biodiversity. Also, mention the different global and national level mechanisms for ensuring Access and Benefit Sharing. **(250 words) 15**

पहुंच और लाभ साझाकरण (एक्सेस एंड बेनिफिट शेयरिंग) क्या है? यह जैव विविधता के संधारणीय उपयोग में किस प्रकार सहायक है, स्पष्ट कीजिए। साथ ही, पहुंच और लाभ साझाकरण सुनिश्चित करने हेतु वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रणालियों का उल्लेख कीजिए।

पहुंच एवं लाभ साझाकरण cities (साइटस) अधिनियम का सिद्धान्त है जिसके अन्तर्गत किसी जैव-पौध सम्बंधी व्यापार के लाभ को उस जैव-पौध सम्बंधी जनता को पर्याप्त लाभ प्रदान कर उनके अधिकारों को संरक्षित किया जाए

यह सम्बद्ध लोगों की उन जैव उत्पादों तक पहुंच एवं उनकी बायो प्रोस्पेक्टिंग द्वारा उत्पन्न लाभ में भागीदारी को निश्चित करता है।

जैव विविधता के संधारणीय उपयोग में भूमिका –

यह बायो-पाइरेसी को रोकता है एवं बायो प्रोस्पेक्टिंग को सहज बनाता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

यह समबद्ध वर्ग को अनुचित भूमिका प्रदान कर अंतरण तकनीक को विकसित करने दबाती है।

यह जैव विविधता के व्यापार एवं उपयोग को संरक्षण के बजाय अनुचित उपयोग से जोड़ता है जिसके कारण 'पहुंच' को सुनिश्चित करते हुए न्यायपूर्ण पुनरुत्पादन की क्षमता को बनाए रखा जाता है।

जैव विविधता की पारिस्थितिकी - उपागम व्यवस्था पर आधारित है।

राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर एकांक एवं बेंचमार्क शेयरिंग हेतु प्रणाली –

1) राष्ट्रीय एवं राज्य बायो ~~डा~~ डाइवर्सिटी रजिस्टर का निर्माण करना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2) विभिन्न जैव विविधता का डाटाबेस की अनुसूची के संरक्षण आवश्यकतानुसार ध्यान एवं आवश्यक विधिक संरक्षण

3) वैश्विक स्तर पर कार्टजेना, नागोया प्रोटोकॉल को ~~आत्म~~ अपनाया जाना

4) आईची लक्ष्य को अपनाना

5) वैश्वी. वैश्विक रूप से bio-piracy को नियंत्रित करना

6) संरक्षण क्षेत्रों की स्थापना करना

वस्तुतः व्यापक स्तर पर ऐसे प्रयास किए जा रहे है जिनसे जैव विविधता का संधारणीय उपयोग कर उनके संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Stating the significance, discuss the challenges in achieving disaster resilience of infrastructure. Suggest some ways for mainstreaming it in the development paradigm. **(250 words) 15**

अवसंरचनाओं का आपदाओं के प्रति सुनम्य (रेजिलिएंट) होने के महत्व को स्पष्ट करते हुए, इससे संबंधित चुनौतियों की चर्चा कीजिए। इसे विकास प्रतिमान की मुख्यधारा में लाने हेतु कुछ उपाय सुझाइये।

आपदा से तात्पर्य ऐसी अवस्था से है जिसमें उपलब्ध व्यवस्था में आकस्मिक परिवर्तन आ जाता है एवं यह डिसरप्शन आम जन के जीवन पर व्यापक प्रभाव डालता है। UNSIDR के अनुसार भारत में आपदा जोखिम अत्यधिक है जिसके तत्वाधान में आपदा के प्रति सुनम्य अवसंरचना का महत्व इस प्रकार है -

1) आपदा का न्यूनीकरण एवं प्रभाव कम होना। उदा. भूकम्प रोधी भवनों का निर्माण (जापान)

2) जीवन एवं व्यवस्था का सुचारू रूप से बने रहना। उदाहरण ग्रीन-स्पेस का निर्माण एवं हीट-वेव से रक्षा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. आपदा की तत्परता - सुनामी रोधी भित्ती का निर्माण कर सुनामी बाढ़ से रक्षा जल निकासी एवं नियोजित अपवाह प्रणाली द्वारा जल प्रवाह का सुनिश्चय करना (उदाहरण - चेन्नई प्रवाह की प्रणाली का निर्माण)

4.) आपदा के दौरान प्रबंधन - उच्च क्षेत्र हाऊस का निर्माण (बाढ़ - सुनामी से रक्षा) आपात हाउस का निर्माण (उपयुक्त)

प्रतिमान की उच्च धारा के लाने के उपाय

1) भूमि उपयोग नीति एवं नियमों का निर्माण एवं स्मार्ट सिटी जैसी नीति संकल्पना को नगरीय विकास रणनीति से जोड़ना

2) Rera (रेरा) का उपयोग कर 'गृहा' रेटिंग से जोड़कर कुछ कर लाभ प्रदान

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

करना।

3) अवसंरचना परियोजनाओं के बारे में आम जन को जागरूक करना

4) इंजीनियरिंग स्तर पर अवसंरचना मांग विकसित करना एवं तकनीकी विकास द्वारा लागत को कम करना

5) लो-कोस्ट हाउसिंग मॉडल का निर्माण

वस्तुतः इन उपायों द्वारा सेंडाई फ्रेमवर्क का क्रियान्वयन कर आपदा जोखिम का न्यूनीकरण संभव है।

18. Highlighting the significance of data localization for India, discuss various challenges associated with data localization. **(250 words) 15**

भारत के लिए डेटा के स्थानीयकरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, डेटा के स्थानीयकरण से जुड़ी विभिन्न चुनौतियों की चर्चा कीजिए।

डेटा स्थानीयकरण से तात्पर्य देश में उत्पन्न डेटा को राष्ट्रीय सीमा के अन्तर्गत संग्रहीत करना, उपयोग करना एवं आवश्यकता अनुसार उपलब्ध कराना है। श्रीकृष्णा समिति ने डेटा स्थानीयकरण की महत्ता को स्पष्ट किया।

डेटा स्थानीयकरण का महत्व —

1) डेटा स्थानीयकरण द्वारा डेटा चोरी, तस्करी की समस्या से निपटना
2) अन्य देशों की पहुंच को रोकना
3) राष्ट्रीय उद्देश्य हेतु आवश्यकता अनुसार डेटा उपयोग
4) डेटा 'न्यू-फ्यूल' के रूप में मानना

जा रहा है। वस्तुतः डेटा का आर्थिक महत्व

5) निजता अधिकार की रक्षा करना

6) नागरिक डेटा के अधीनता को केन्द्र बनना।

चुनौतियाँ

1) विविध कम्पनियों के स्टोरेज हाउस विदेशों में स्थापित

2) यह अनावश्यक लागत को बढ़ाएगा

3) डेटा की उपस्थिति डेटा सुरक्षा की गारंटी नहीं है। इंटरनेट की प्रकृति सीमाहीन है।

4) भारतीय वाणिज्य में वृद्धि होगी एवं डेटा सुरक्षा प्रणाली का विकास करना होगा।

5) राज्य के डेटा उपयोग एवं मास सर्विलेंस को बढ़ाना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वस्तुतः समाकलन से डेटा स्थानीयकरण कोई खास उपयोगी रणनीति प्रतीत नहीं होती एवं यह तकनीकी एवं आर्थिक विकास मे बाधा हो सकती है। इसी के चलते सरकार ने इस नीति को वापस ले लिया है।

19. Money Laundering as a socio economic offence is a menace especially for developing countries like India. Comment. What measures have been taken at the domestic and international levels to deal with this menace?
(250 words) 15

एक सामाजिक आर्थिक अपराध के रूप में धन शोधन विशेषकर भारत जैसे विकासशील देशों के लिए एक खतरा है। टिप्पणी कीजिए। इस खतरे से निपटने हेतु घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्या उपाय किए गए हैं?

धन-शोधन से तात्पर्य अपराधिक, अनैतिक आय को विभिन्न तरीकों (इनकल्जन, लेयरिंग, ऑफ्रिंग) द्वारा प्रवेश कर काले धन को सफेद धन में परिवर्तित करने की प्रक्रिया है।

भारत के समक्ष इसके खतरे —

1) भारत सरकार को कर हानि एवं राज्य की क्षमता का कम होना क्योंकि आय ही कम हुई है। धन-शोधन कर वंचना का माध्यम है।

2) यह संगठित अपराध की कड़ी है। भारत में नार्को-टेररिज्म, मानव दुर्व्यापार, हथियार के के धन-शोधन का प्रयोग।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3) यह ~~भ्रष्टा~~ भ्रष्टाचार से प्राप्त आय एवं अनैतिक कार्यों से अर्जित धन के निष्कासन को संभव बनाकर भ्रष्टाचार रोकथाम में बाधा उत्पन्न करता है।

4) धन-शोधन राजनीतिक वित्तपोषण के आधार पर राजनीति के अपराधीकरण एवं अपराध के राजनीतिकरण को संभव बनाता है।

5) धन-शोधन से अर्थव्यवस्था में शामिल पूंजी अर्थतंत्र में विस्थापन उत्पन्न कर सकती है।

धन-शोधन की समस्या (समाधान) हेतु किए उपाय

1) भारत सरकार द्वारा धन-शोधन रोकथाम संशोधन अधिनियम का निर्माण करना।

2) विमुद्रीकरण एवं डिजिटल इकोनोमी की ओर प्रगति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3) कोर बैंकिंग सोल्यूशन एवं KYC को दृढ़ करना

4) सेबी द्वारा P-नोट्स मानकों को दृढ़ करना।

5) शैल-कम्पनियों की समाप्ति एवं निगरानी व्यवस्था

6) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पोर्टलों का अन्वेषण

7) FATF द्वारा वित्त हस्तांतरण की निगरानी

8) OECD का अभिसमय

9) हस्तांतरणों का अन्तर्राष्ट्रीय लेन-देन (कर प्राधिकरणों के मध्य)

इन उपायों द्वारा इस समस्या के समाधान हेतु कई प्रकार उठाकर इसका समाधान संभव है जिससे अपराध को नियंत्रित कर वित्तीय व्यवस्था एवं संगठित अपराध की रोकथाम संभव होगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. The primary motive of terrorism differs from that of organised crime but there exists a symbiotic relationship between the two. Discuss.

(250 words) 15

आतंकवाद का प्राथमिक उद्देश्य संगठित अपराध के उद्देश्य से भिन्न होता है, किन्तु दोनों के मध्य एक सहजीवी संबंध पाया जाता है। चर्चा कीजिए।

आतंकवाद का तात्पर्य हिंसा एवं भय की उपस्थिति द्वारा अपने राजनैतिक विचारों का क्रियान्वयन है। (उदाहरण तालिबान, अल-कायदा) वहीं संगठित अपराध के उद्देश्य राजनीतिक नहीं अपितु आर्थिक हैं। एक विस्तृत शृंखला एवं व्यापक प्रणाली द्वारा अपराध को अंजाम देते हैं एवं अपराध में प्रत्येक अपराधी की पूर्व-निर्धारित भूमिका होती है (उदा. मादक द्रव्यों की तस्करी)

वस्तुतः इन दोनों की भिन्न भिन्न उद्देश्यता के बावजूद उनका व्यवस्था

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

एवं पुलिसिंग में सुधार के कारण इसमें संरेखण आना शुरू हुआ है एवं यह नजदीकी रूप धारण कर रहे हैं।

उदाहरण के लिए भारत में नार्को-आतंकवाद, मुम्बई बम धमाकों में दाऊद इब्राहिम की भूमिका।

उदाहरण के रूप में नार्को-आतंकवाद

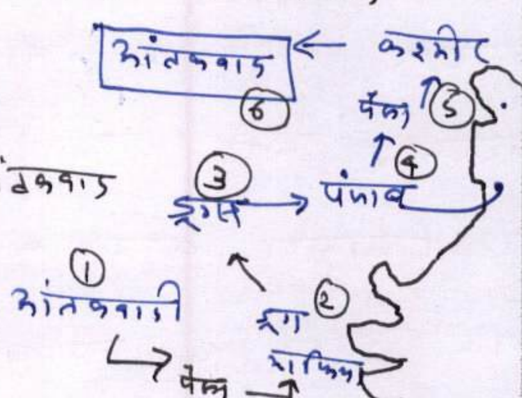

आरेख के 6 चरणों में संगठित अपराध एवं आतंकवाद के नजदीकी सम्बन्ध को बताया है।

पाकिस्तान में आतंकवादी ड्रग माफिया को पैसा देते हैं संगठित अपराध है। मादक द्रव्य बार्डर क्रास आतंकवाद के रूप में पंजाब आता है।

पंजाब में बिक्री से प्राप्त राशि कश्मीर में आतंकी वित्तपोषण के रूप में पहुंची

है एवं आतंकवाद को बढ़ावा मिलता है। वस्तुतः इन नवीन खतरों को स्पष्ट रूप से समझने की आवश्यकता है क्योंकि इन्होंने नवीन हथियारों का निर्माण कर अपराध की महत्ता को बढ़ा दिया है एवं वैश्विक रूप धारण कर लिया है।

वस्तुतः इनके समाधान हेतु नेटग्रिड, CCTNS जैसी नवीन विधि; इंटरपोल जैसे संगठनों का उपयोग कर नियंत्रण करने की आवश्यकता है ताकि इनको भारतीय कानून प्रणाली को दुरुस्त कर राष्ट्रीय सुरक्षा का सुनिश्चय हो सके।